ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 03-01-2025

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-01-03 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-01-04	2025-01-05	2025-01-06	2025-01-07	2025-01-08
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	1.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	22.0	22.0	20.0	17.0	16.0
न्यूनतम तापमान(से.)	8.0	8.0	6.0	4.0	3.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	45	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	40	60	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	8	7	7	7
पवन दिशा (डिग्री)	320	330	120	130	340
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	4	4	5	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी दिनों में 6 जनवरी को 1.0 मिमी की बहुत हल्की वर्षा का अनुमान है, जबकि अन्य दिनों में मौसम साफ रहने की उम्मीद है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 16.0 से 22.0 डिग्री सेल्सियस और 3.0-8.0 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम-उत्तर, दक्षिण-पूर्व-पूर्व, दक्षिण-पूर्व और उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा से 7-8 किमी/घंटा की गति से हवा चलने की उम्मीद है। आगामी सप्ताह में शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि-मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत ऐप" पर अपडेट की जाती है और बिजली गिरने की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में अच्छी कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली कम वर्षा और सामान्य से अधिक अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति को इंगित करती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी दिनों में मौसम साफ रहने की उम्मीद है, इसलिए आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और कटी हुई उपज का भण्डारण अच्छी तरह किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
रेंड़ी	फसल की निगरानी की जानी चाहिए और आवश्यकतानुसार नियमित रूप से गुड़ाई और निराई की जानी चाहिए और रोग होने की स्थिति में उचित अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
मसूर की दाल	फसल की निगरानी की जानी चाहिए और आवश्यकतानुसार नियमित रूप से गुड़ाई और निराई की जानी चाहिए और रोग होने की स्थिति में उचित अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
रेपसीड	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। आवश्यकता के अनुसार घाटियों और निचली पहाड़ियों में हल्की सिंचाई की जानी चाहिए और कीट/बीमारी के हमले के मामले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
सरसों	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। आवश्यकता के अनुसार घाटियों और निचली पहाड़ियों में हल्की सिंचाई की जानी चाहिए और कीट/बीमारी के हमले के मामले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
गेहूँ	असिंचित स्थिति में, फसल में निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए और सिंचित स्थिति में खरपतवार को नियंत्रित करने के लिए अनुशंसित खरपतवार नाशक का उपयोग किया जाना चाहिए।
जौ	गुड़ाई और निराई के लिए फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। आवश्यक सिंचाई की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
शिमला मिर्च	बीजों को तैयार नर्सरी में बोया जाना चाहिए और अंकुरित पौधों को पाले से बचाना चाहिए।
पालक	सिंचित घाटी में सिंचाई के बाद मेथी, पालक (पालक) और धनिया में गुड़ाई करनी चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
आलू	आलू में लेट ब्लाइट रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए।
सेब	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
आड़ू	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
नाशपाती	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
बेर	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।
गाय	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	पाला/कोहरा होने पर, नियमित अंतराल पर खेतों में सिंचाई करनी चाहिए।